भाद्रपद कृष्ण पक्ष तृतीया संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 43 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 अगस्त 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

स्वतंत्रता दिवस पर युवाओं-कारोबारियों को तोहफे, नौकरी पाने वालों को 15-15 हजार देगी केंद्र सरकार

शौर्य को सलाम, नई रोजगार योजना आज से, जीएसटी ढांचे का होगा रिफार्म

पीएम मोदी ने लालकिले की प्राचीर से किया ऐलान

नईदिल्ली, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर दो खास तोहफों का ऐलान किया है। यह युवाओं व कारोबारियों के लिए काफी अहम हैं। लालकिले की प्राचीर से उन्होंने कहा, इस दिवाली पर सरकार जीएसटी रिफॉर्म ला रही है। इससे आम लोगों को टैक्स में बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा आज से ही प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना लागू होगी। योजना के तहत निजी क्षेत्र में पहली नौकरी पाने वाले बेटे बेटी को 15 हजार रुपए सरकार की तरफ से दिए जाएंगे। यह राशि दो किश्तों में होगी। पहली किश्त छह महीने पूरे होने पर और दूसरी एक साल पूरे होने पर दी जाएगी। हालांकि एक लाख रूपए से ज्यादा वेतन पाने वालों पर यह योजना लागू नहीं होगी। कंपनियों को भी जो ज्यादा रोजगार जुटाएगा, उन्हें प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह योजना करीब 3.5 करोड़ नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर बनाएगी।

आज पीएम का शुरुआती भाषण ऑपरेशन सिंदूर पर फोकस रहा। उन्होंने कहा, आज मुझे लाल किले की प्राचीर से ऑपरेशन सिंदूर के वीर जांबाजों को सैल्यूट करने का अवसर मिला है। हमारे सैनिकों ने दुश्मनों को उनकी कल्पना से परे सजा दी है। 22 अप्रैल को पहलगाम में सीमा पार से आतंकियों ने जिस प्रकार का कत्ले आम किया, धर्म पूछकर लोगों को मारा। उन्होंने कहा, पूरा हिंदुस्तान आक्रोश से भरा हुआ था। पूरा विश्व इस संहार से चौंक गया था। ऑपरेशन सिंदूर उसी आक्रोश की अभिव्यक्ति है। हमने सेना को खुली छूट दी। हमारी सेना ने वो करके दिखाया, जो कई दशकों तक भुलाया नहीं जा सकता। सैकड़ों किमी दुश्मन की धरती में घुसकर आतंकियों को नेस्तनाबूद किया। पाकिस्तान की नींद अभी तक उड़ी हुई है। पाकिस्तान में हुई तबाही इतनी बड़ी है कि रोज नए खुलासे हो रहे हैं।

पीएम ने कहा, हमारा देश कई दशकों से आतंक को झेलता आया है। देश के सीने को छलनी कर दिया गया है। हमने न्यू नॉर्मल प्रस्थापित किया है। आतंकियों और उनको पालने-पोसने वालों को हम अलग-अलग नहीं मानेंगे। भारत ने तय कर लिया है कि न्यूक्लियर की धमकियों को हम सहने वाले नहीं है। न्यूक्लियर ब्लैकमेल लंबे वक्त से चला आ रहा है। ब्लैकमेल नहीं सहेंगे। आगे भी अगर दुश्मनों ने ये कोशिश जारी रखी, सेना तय करेगी, वह जो समय, तौर-तरीके, लक्ष्य निर्धारित करेगी, हम अमल में लाने वाले हैं। मुंहतोड़ जवाब देंगे। भारत ने तय कर लिया है कि खून और पानी एकसाथ नहीं बहेंगे।

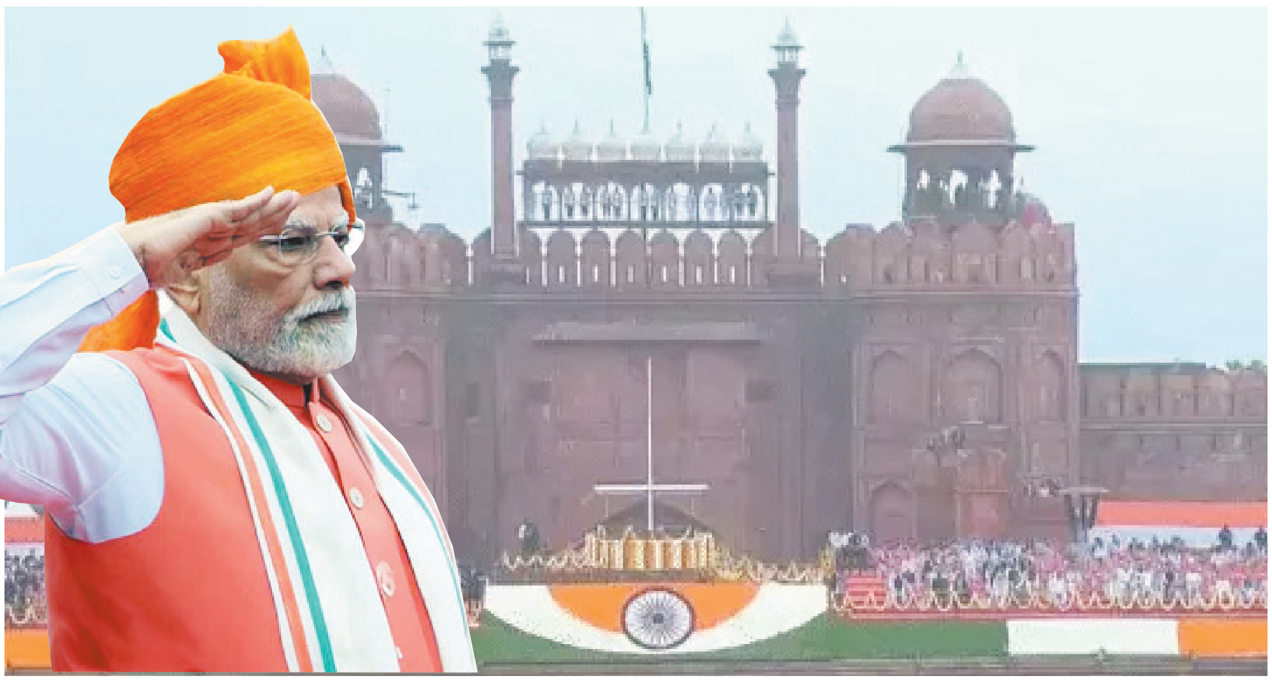

मुख्यमंत्री ने ध्वजारोहण किया व परेड की सलामी ली।

सीएम यादव ने कहा- जो जैसा, उसके साथ वैसा ही हुआ

इधर आज मध्यप्रदेश की राजधानी में स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ध्वजारोहण किया व परेड की सलामी ली। उन्होंने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हुए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा- जो जैसा, उसके साथ वैसा ही हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कई योजनाओं के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि अब लाड़ली बहनाओं को 1500 रुपए दिए जाएंगे। सरकार ने किसानों को बिजली बिल से मुक्त करवाने का लक्ष्य रखा है वहीं गोशालाओं को दी जाने वाली राशि बढ़ाई जाएगी, उन्होंने स्वदेशी का प्रचार करने की जरूरत बताई व कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य पर काम किया जा रहा है। जल्द ही मप्र में दो लाख से ज्यादा भर्ती की जाएंगी। जबलपुर और ग्वालियर भी मेट्रोपोलिटन शहर बनेंगे। यादव ने कहा कि नक्सली क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया गया है। कई जिलों में नए एयरपोर्ट का निर्माण हुआ। जबकि 55 जिलों में पीएम श्री स्कूल खोलने की कोशिश की गई। उन्होंने मप्र की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश को ई गवर्नेंस में स्वर्ण पदक मिला, प्रशासनिक और न्यायालय कार्य पेपर लेस हुआ है, 5 करोड़ों से ज्यादा पौधे लगाये गये हैं। अब पचमढी के जंगल को भभूतसिंह के नाम पर रखा जाएगा। शिप्रा नदी के जल को भी साफ करने और घाट बनाने पर कार्य चल रहा है। 5 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर पाएंगे।

वहीं डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा जबलपुर और राजेंद्र कुमार शुक्ल शहडोल में चीफ गेस्ट हैं। 31 जिलों में मंत्रियों के अलावा 24 जिलों में कलेक्टर ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। इससे पहले गुरुवार शाम से प्रदेश की इमारतें रोशनी से जगमगा उठीं। ऐतिहासिक पलों का साक्षी रहा भोपाल का लाल परेड मैदान सुबह तिरंगे के रंगों से रंगा नजर आया। खंडवा में इंदिरा सागर डैम को तिरंगे की लाइट में सजाया गया।

मिशन सुदर्शन चक्र लांच होगा

पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर और पाक से टकराव का भी जिक्र करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा को विस्तार करने के लिए के लिए मिशन सुदर्शन चक्र का ऐलान किया। उन्होंने कहा सुदर्शन चक्र का जिक्र करते हुए कहा सुदर्शन चक्र ने दुश्मन के हमले को नाकाम किया भगवान श्रीकृष्ण से प्रेरणा लेकर हमने उस सुदर्शन चक्र की राह को चुना है। अब देश सुदर्शन चक्र मिशन लॉन्च करेगा। इसलिए राष्ट्र के नागरिकों की सुरक्षा के लिए सुदर्शन चक्र मिशन को आगे बढ़ाने की बात करता हूं। 2035 तक राष्ट्रीय सुरक्षा को विस्तार किया जाएगा। अहम स्थलों को सुदर्शन चक्र से लैस किया जाएगा।

103 मिनट का भाषण, सिंदूर पर खास फोकस

लालकिले पर मोदी ने लगातार 12वीं बार तिरंगा फहराया। उन्होंने अब तक का सबसे लंबा भाषण दिया जो करीब 103 मिनट का रहा। शुरुआत ऑपरेशन सिंदूर से की और वे इस पर करीब चौदह मिनट बोले। उन्होंने आतंकवाद, सिंधु समझौता, आत्मनिर्भरता, मेड इन इंडिया, नक्सलवाद और अवैध घुसपैठियों पर अपनी बात रखी व कहा कि अगर हम आत्मनिर्भर न होते, तो क्या ऑपरेशन सिंदूर इतनी तेजी से कर पाते। इसी कारण दुश्मन को पता भी नहीं चला कि कौन सा हथियार उन्हें खत्म कर रहा।

बादल फटने की घटना में अब तक 52 की मौत

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ के चशोटी गांव में कल बादल फटने की घटना में अब तक पानी और मलबे की चपेट में आने से 52 लोगों की मौत हो चुकी है। अब तक 167 लोगों को बचाया गया है। करीब 100 से ज्यादा लोग लापता हैं। गौरतलब है कि हादसा उस समय हुआ जब हजारों श्रद्धालु मचैल माता यात्रा के लिए किश्तवाड़ में पड्डर सब-डिवीजन में चशोटी गांव पहुंचे थे। यह यात्रा का पहला पड़ाव है। बादल वहीं फटा है, जहां से यात्रा शुरू होने वाली थी। यहां श्रद्धालुओं की बसें, टेंट, लंगर और कई दुकानें थीं। सभी बाढ़ में बह गए। कईयों के फेफड़ों में कीचड़ भर गया, टूटी पसलियां और अंग बिखरे दिखे। सेना के जवानों और पुलिस ने घायलों को घंटों मशक्कत के बाद कीचड़ भरे इलाके से खोदकर अपनी पीठ पर लादकर अस्पताल पहुंचाया।

गंभीर ने परिवार संग महाकाल के दर्शन किए

उज्जैन। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर आज सुबह स्वतंत्रता दिवस पर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने उज्जैन पहुंचे। वे यहां परिवार के साथ भस्म आरती में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मुझे तीसरी बार बाबा महाकाल के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। गंभीर ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सोशल मीडिया पर लिखा-मेरी जिंदगी, यह हिंद। तस्वीर में गौतम गंभीर हाथ में बल्ला लिए जोशभरे अंदाज में नजर आ रहे हैं। इधर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भगवान महाकाल के मंदिर को तिरंगे के रंग में सजाया गया। भस्म आरती में महाकाल के शीश पर त्रिपुंड भी तीन रंगों का बनाया गया।

भारत के सामने राजनीतिक से बड़ी आर्थिक आजादी की चुनौती

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश यानि हमारे भारत के नव निर्माण की प्रक्रिया के 78 वे साल में प्रवेश की सालगिरह का ऐसा मौका है ,जो हमें कई बातों का अहसास कराता है। हमें न सिर्फ देशवासियों की आजादी बचाना है, साथ ही हमारे पड़ोसी मुल्कों की भी चिंता करनी है। ताजे संदर्भों में विषय सिर्फ राजनीतिक आजादी तक सीमित नहीं रह गया है। पूरी दुनिया में तेजी से पांव पसार चुके पूंजीवाद से उपज रहीं आर्थिक गुलामी की जंजीरों की चुनौती दुनिया के सिर पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर लोकतंत्र के सभी आधार स्तंभों और हम सभी पर आजादी के मूल्यों को समझने और उसके अनुरूप आचरण करने की दरकार है। भारत की जिम्मेदारी इसलिए बढ़ी है,क्योंकि दुनिया के सबसे पुराने और सबसे स्वस्थ लोकतंत्र का दंभ भरने वाला अमेरिका तानाशाही के रास्ते पर तेज कदम भर रहा है। अब वह कहने भर को दुनिया की सबसे बड़ी लोकशाही है, लेकिन उसके मूल पिंड में चौधराहट है। दरोगाई है। जिसका तिलिस्म टूटने के बावजूद वह वह दुनिया के कई देशों को आर्थिक तौर पर गुलाम बना चुका है। चीन भी इसमें पीछे नहीं है। पहले बात सुरक्षा मोर्चे की। भारत के नौ पड़ोसी देश हैं जिनमें से सात की सरहदें भारत से सीधे जुड़ी हैं। इनमें श्रीलंका और मालदीव समंदरी सरहद से जुड़ा है तो पाकिस्तान और बांग्लादेश जल और थल दोनों से जुड़ा है? बाकी में ,अफगानिस्तान, नेपाल , चीन, भूटान और म्यामांर यानि बर्मा है। भारतीय गणराज्य जो संघीय प्रणाली से संचालित होता है, 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों को अपने दामन में समेटे है। भारत की कुल सरहद 15 हजार 200 किमी है जो एशिया में चीन के बाद सबसे ज्यादा है। लेकिन भारत के साथ समस्या यह है कि उसकी सरहद जल और थल दोनों से जुडने के साथ ही ऊंचे और बेहद दुर्गम हिमालयीन पहाड़ों से भी जुड़ी है। यानि सुरक्षा के मोर्चा पर हमारे सैन्य जवानों और बार्डर सिक्युरिटी फोर्स के सामने हमेशा अपनी सरहदों की सुरक्षा की चुनौती बनी रहती है।

आर्थिक मोर्चे पर चैलेंज भीतरी और बाहरी दोनों

यदि आर्थिक मोर्च के आंकड़ों पर निगाह डालें तो 2025 में भारत पर कुल कर्ज 736.3 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो पिछले साल की तुलना में 67.5 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़ा है। यह कुल जीडीपी का 19.1 प्रतिशत है। वर्ष 2023 में हर भारतीय पर 3 लाख 90 हजार का कर्ज था, जो अब दो साल में 23 फीसदी बढ़कर प्रति व्यक्ति 4 लाख 80 हजार रूपए हो गया है। यानि 90 हजार की बढ़ोत्तरी। यह आंकड़ा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की जून 2025 में जारी वित्तीय स्थिरता रपट का है। लोग पहले से ज्यादा कर्ज ले रहे हैं। इसमें होम लोन, पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड के जरिए लिए लिए जाने वाला लोन शामिल है। इसमें भी रिटेल लोन यानि पर्सनल और क्रेडिट कार्ड का कर्ज कुल घरेलू कर्ज का 54.9 फीसदी है। हाऊसिंग लोन का हिस्सा 27 फीसदी है। बावजूद इसके भारत में कर्ज की स्थिति ईमानदारी से कर्ज चुकाने वाले कर्जदारों के चलते नियंत्रण में हैं।

जल्द होंगे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनामी

जीडीपी की ओर देखें तो बीते दस सालों में बढ़त भारत को मिली। भारत की जीडीपी 105 फीसदी बढ़ी है, जो अमेरिका से भी ज्यादा है जहां दस साल में मात्र 66 फीसदी जीडीपी ही बढ़ी। चीन में 76 फीसदी, जर्मनी में 44 फीसदी, इंग्लैंड में 38 फीसदी, फ्रांस में 36 फीसदी,इटली में 39,कनाडा में 34, ब्राजील में 13 प्रतिशत जीडीपी बढ़ी। जापान ही ऐसा है कि जिसमें दस साल में जीडीपी बिल्कुल नहीं बढ़ी जिसके चलते वह भारत से एक कदम पीछे होकर पांचवे स्थान पर आ गया और भारत चौथे पर। यानि भारत से आगे अमेरिका,चीन और जर्मनी है। भारत की इकॉनामी 4.19 ट्रिलियन डालर है और जर्मनी की चार हजार 305 बिलियन यूरो। आईएमएफ के मुताबिक 2028 तक भारत 5.5 ट्रिलियन की इकॉनामी के साथ जर्मनी को पीछे छोड़ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बन जाएगा।

चीन और यूएसए के कर्ज तले डूबे पड़ोसी चिंता का सबब

विश्व बैंक की एक रपट के मुताबिक चीन ने भारत के पड़ोसी मुल्कों को 48.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कर्जा दे रखा है। भारत ने इन देशों को 9 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया है जो उनके कुल कर्ज का 2.8 फीसदी है। यानि चीन की कर्ज नीति भारत और उसके पड़ोसी मुल्कों के लिए बड़ा खतरा है। उसके निशाने पर दक्षिण अफ्रीकी देश भी हैं जिनके जरिए उसके निशाने पर अमेरिका बी है। चीन के लोन की बात करें तो पाकिस्तान 28.6 बिलियन डॉलर के साथ सबसे ऊपर है। बांग्लादेश पर 9 बिलियन डॉलर, श्रीलंका 5.84 बिलियन डॉलर, मालदीव 960 मिलियन डॉलर, नेपाल 216 मिलियन डॉलर तथा म्यामांर पर 720 मिलियन डॉलर का कर्ज है। यानि वह इन देशों को मजबूर करके भारत को घेरने की रणनीति तेज कर सकने की क्षमता रखता है। भारत ने श्रीलंका, मालदीव में उसके मंसूबों पर आंशिक तौर पर ही सही पानी तो फेरा है। लेकिन यह चुनौती अमेरिका के हालिया तेवरों और पाक को गोद में बिठाने की कवायद के चलते और बढ़ी है,जिसकी चिंता आजादी के इस जश्न के बीच करना जरूरी है।

आज से 3 हजार कीमत वाले सालाना फास्टैग पास की शुरूआत

नईदिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने आज यानी 15 अगस्त से नेशनल हाईवे पर यात्रा करने वाले लोगों के लिए एनुअल फास्टैग पास लॉन्च कर दिया है। इस पास की कीमत 3 हजार रुपए है, जो एक साल के लिए मान्य रहेगा। इस पास के जरिए यूजर्स 200 बार टोल क्रॉस कर सकेंगे। सरकार का कहना है कि इससे एक टोल क्रॉस करने की कीमत करीब 15 रुपए आएगी और देशभर के नेशनल हाईवे के टोल पर भीड़ कम होगी। इस एक पास से नेशनल हाईवे पर यात्रा के लिए बार-बार टोल प्लाजा पर रुकने और रिचार्ज करने की झंझट से राहत मिल जाएगी।एक टोल पर एवरेज लागत 15 रुपए आएगी। ये उन लोगों के लिए किफायती है जो नेशनल हाईवे पर बार-बार ट्रैवल करते हैं।

खड़े ट्रक में घुसी यात्री बस, 10 मौत

बर्धमान, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले में आज एक दर्दनाक सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई और 30 यात्री घायल हो गए हैं। हादसा उस समय हुआ, जब यात्रियों से भरी एक निजी बस तेज़ रफ्तार में सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा टकराई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई यात्री उसमें फंस गए।

अवकाश सूचना

दोपहर मेट्रो कार्यालय में 16 अगस्त शनिवार को स्वतंत्रता दिवस का अवकाश रहेगा। अगला अंक17 अगस्त को प्रकाशित होगा।

समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
सुनील यादव-अध्यक्ष, पटवारी संघ, सिरोंज

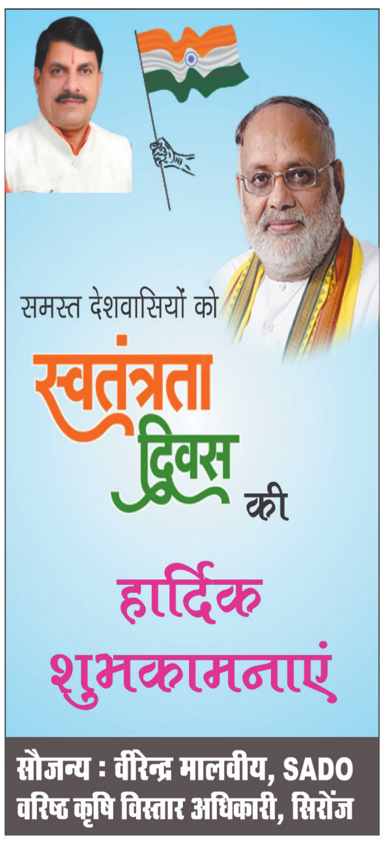
समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य : वीरेन्द्र मालवीय, SADO
वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी, सिरोंज

समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्यः शर्मा कन्स्ट्रेक्शन, सिरोंज
सुनील शर्मा
नीलेश शर्मा

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं
शोभित शर्मा (गांधी)
संवाददाता–दोपहर मेट्रो समाचार पत्र

समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
महेन्द्र सिंह दांगी
जिला उपाध्यक्ष, भाजपा
राजेश दांगी
सरपंच प्रतिनिधि
श्रीमती राममणी दांगी
सरपंच
राजकुमार शर्मा
सचिव
सौजन्यः ग्राम पंचायत झण्डवा, सिरोंज

स्वतंत्रता दिवस
एवं
श्री कृष्ण जन्माष्टमी
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
सौजन्य से : समस्त कार्यकर्ता, सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र

समस्त प्रदेशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस एवं
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
की हार्दिक
शुभकामनाएं
हमीर सिंह यादव
विधायक प्रतिनिधि
सिरोंज विधानसभा
राकेश शर्मा
विधायक प्रतिनिधि
कुरवाई विधानसभा
प्रताप लोधी
जनपद सदस्य
लेखराज सिंह यादव
अध्यक्ष, पंचायत सचिव संघ
रामचरण श्रीवास्तव
सरपंच
नरखेड़ा जागीर
भागीरथ गुर्जर
सरपंच
मूड़रा घाट
रामकिशन अहिरवार
सरपंच
पगरानी
रमेश धाकड़
सरपंच
प्यासी
रघुवीरसिंह
सरपंच
विशेपुर
घनश्याम तोमर
सरपंच
सरवरपुर
राजेश साहू
सरपंच प्रतिनिधि
टोरी बागरोद
श्रीमति कृष्णा
लेखराज यादव
सरपंच, अमीरगढ़
श्रीमति केरा बाई
सरपंच, तरवरिया
श्रीमती दमेतीबाई
अजब सिंह राजपूत
सरपंच, बरेज
श्रीमती रजनी
कुवरलाल
सरपंच, बडोदाताल
ब्रजेन्द्र रघुवंशी
सचिव, ग्रा.पं. बरेज
अजब सिंह
सचिव, ग्रा.पं. मूड़राघाट
राजू अहिरवार
सचिव, ग्रा.पं. प्यासी
मुशर्रफ अली
सचिव, ग्रा.पं. पगरानी
राजकुमार यादव
सचिव, ग्रा.पं. विशेपुर
महेन्द्र शर्मा
सचिव, ग्रा.पं. बडोदाताल
कुँअरलाल अहिरवार
सचिव, ग्रा.पं. सरवरपुर
राकेश शर्मा
सचिव, ग्रा.पं. तरवरिया
कृष्ण गोपाल शर्मा
सचिव, ग्रा.पं. टोरी बागरोद
मुकेश विश्वकर्मा
रोजगार सहा., टोरी बागरोद

टेक्सटाइल पार्क: शिलान्यास से पहले 16 हजार करोड़ रु. के निवेश प्रस्ताव

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

देश के पहले पीएम मित्रा टेक्सटाइल पार्क के भूमिपूजन से पहले ही 16 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। यह पार्क धार में आकार लेने वाला है। इसके अलावा पिछले डेढ़ साल में टेक्सटाइल सेक्टर में प्रदेश में 3513 करोड़ रुपए का निवेश आ भी गया है। पार्क के शिलान्यास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मप्र आने वाले हैं। इस पार्क की स्थापना से प्रदेश में लगभग 50 हजार लोगों के लिए रोजगार की संभावनाएं पैदा होगीं। इस मामले में सीएम मोहन यादव ने टेक्सटाइल सेक्टर के उद्योगपतियों से मुलाकात की। बायर सोर्सिंग लीडर्स (बीएसएल) के साथ राउंड टेबल मीटिंग की। बीएसएल एक नॉन-प्रॉफिट प्लेटफॉर्म है, जिसमें 4,507 से अधिक सदस्य जुड़े हैं। बीएसएल की ओर से मेड इन एमपी को वैश्विक ब्रांड कैसे बनाया जाए, इसको लेकर राज्य सरकार को सुझाव दिए। इस दौरान सीएम ने कहा, पीएम मोदी के 5-एफ विजन के आधार पर मप्र परिधान और वस्त्र उद्योग में 'फार्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन और फैशन टू फॉरेन' की समूची वैल्यू चेन को एकजुट कर वैश्विक केंद्र बनने जा रहा है। मप्र ऑर्गेनिक कॉटन का दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक है। जो वैश्विक ब्रांड्स को यहां निवेश के लिए आकर्षित कर रहा है। धार में बन रहे पीएम मित्रा में सस्ती दर पर बिजली, पानी, भूमि के साथ ही निवेशकों को ब्याज पर भी सरकार सब्सिडी देगी।

इनके बीच हुआ एमओयू

बैठक में राज्य सरकार और बीएसएल (बायर सोर्सिंग लीग) के बीच एक एमओयू साइन हुआ। सीएम ने कहा कि यह एमओयू केवल दस्तावेज नहीं, बल्कि विश्वास का प्रमाण है, जो मप्र को 'पसंदीदा सोर्सिंग डेस्टिनेशन' और 'प्रोडक्शन हब' बनाने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। बीएसएल के संस्थापक सदस्य रमन ने कहा कि बीएसएल की प्राथमिकता भारतीय उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप सशक्त बनाना और ब्रांड-सोर्सिंग-प्रो डक्शन के बीच मजबूत सेतु तैयार करना है। नीरज नागपाल ने कहा कि मप्र डिजाइन-टू-डिलीवरी मॉडल को संस्थागत रूप देने और 'सर्कुलैरिटी ऑफ फैशन' के लिए राज्य-समर्थित फ्रेमवर्क बना सकता है।

संपादकीय

खुश होने व तैयार रहने का वक्त

देश का 79 वां स्वतंत्रता दिवस कई मायनों में बहुत अहम है। क्योंकि हर देशवासी के खुश होने की कई वजहें सामने हैं। भारत ने जो मुकाम हासिल किया है वह कोई छोटी बात नहीं है तमाम मतभेदों और विविधताओं के बावजूद भारत दशकों से एकजुट व मजबूत रहा है। हाल में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत में राष्ट्रीय एकता की भावना उफान पर थी। भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमलों के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया और पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे नष्ट कर दिए गए और फिर पाकिस्तानी सेना के उकसावे का मुंहतोड़ जवाब दिया गया। पाकिस्तानी सेना के बुनियादी ढांचे को हिला दिया गया। जहां तक आर्थिक परिदृश्य की बात है तो भारत वर्तमान में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। पिछले कुछ दशकों के दौरान अर्थव्यवस्था ने तेज गति से प्रगति की है। लिहाजा एक राष्ट्र के रूप में भारत के पास जश्न मनाने के लिए कई उपलब्धियां मौजूद हैं मगर यह वक्त उन क्षेत्रों की तरफ देखने और खुद के आकलन का भी है जहां कसर बाकी रह गई है। कहा जा सकता है कि यह वक्त भविष्य की चुनौतियों से निपटने की रणनीति तैयार करने का भी है। सरकार ने भारत को स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। सभी इस बात से सहमत हैं कि भारत को त्वरित गति से आगे बढ़ने की जरूरत है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां पिछले कुछ दशकों की तुलना में कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई हैं। उधर अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी से अधिक शुल्क लगा दिए हैं जिनमें रूस से तेल खरीदने पर लगाया गया अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क भी शामिल है। यह स्थिति इसलिए गंभीर है क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। हालांकि, यह उम्मीद जरूर की जा रही है कि आने वाले सप्ताहों में स्थिति सुधरेगी किंतु इतने ऊंचे शुल्क के कारण निर्यात, देश में विकास और रोजगार सृजन पर गंभीर असर होगा। यही वजह है कि पीएम ने लाल किले की प्राचीर से रोजगार प्रोत्साहन के लिये नई योजना का ऐलान किया है। यह समय इस विषय पर भी चर्चा करने के लिए माकूल है कि भारत को कैसी अर्थव्यवस्था तैयार करनी चाहिए ताकि युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ विकास लक्ष्य भी सहजता से हासिल हो जाए। आने वाले वर्षों और दशकों में भारत जो कुछ भी हासिल करेगा वह काफी हद भारत की राजनीति और शासन व्यवस्था की दिशा एवं दशा पर निर्भर करेगा। मजबूत संस्थानों पर आधारित एक मुक्त, नियम-आधारित व्यवस्था भारत के हित में बेहतर रहेगी। भारतीय निर्वाचन आयोग की कार्य प्रणाली पर हाल में विपक्ष ने प्रश्न खडे किये हैं। इसके पहले ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं हुई थी। निर्वाचन आयोग का गैर-पक्षपातपूर्ण व्यवहार भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की आधारशिला है जिस पर शेष सब कुछ निर्भर करता है। राजनीतिक कार्यकर्ताओं और मतदाताओं दोनों के मन-मस्तिष्क में संदेह और भ्रम की स्थिति नहीं रहनी चाहिए लिहाजा आयोग को इसे दूर करने में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए। इस तरह यह वह वक्त है जब भारत को बाहरी आर्थिक चुनौतियों से तो निपटना ही है,इसके अलावा दीर्घ अवधि तक अपनी सफलता व समृद्धि के लक्ष्य भी तय रखने और उन्हें हासिल करने की राह तैयार करना है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसके लोग हैं जो तमाम मतभेदों के बावजूद प्रगति व जिम्मेदारियों के मामले में हमेशा आगे रहे हैं।

सहनशील होना अच्छी बात है.. पर अन्याय का विरोध करना उससे भी उत्तम है..!!

-अज्ञात

निशाना

फिर कैसे उत्कर्ष ?

– कृष्णेन्द्र राय

जो सूची मतदाता है ।
लेकर उसे बवाल ।।
कोई उससे है खुश ।
और कुछ करें बवाल ।।
ना मिलती जब सत्ता ।
करना पड़ता काम ।।
भले राह में रोड़े ।
और मुश्किलें तमाम ।।
पाने को अधिकार ।
है करना संघर्ष ।।
बस केवल सवाल तो ।
फिर कैसे उत्कर्ष ?
गड़बड़ी का है यदि शक ।
मशविरा पर जोर ।।
ना कुछ मिलने वाला ।
जब केवल पुरजोर ।।

आज का इतिहास

- 1772 - ईस्ट इंडिया कंपनी ने जिलों में अलग दीवानी और फौजदारी अदालतों के गठन का निर्णय लिया।
- 1854 - ईस्ट इंडिया रेलवे ने कलकत्ता से हुगली के बीच 37 किलोमीटर की दूरी में पहली यात्री ट्रेन चलायी।
- हालांकि इसका आधिकारिक तौर पर उद्घाटन 1885 में किया गया।
- 1947 - युगवाणी (पत्रिका) - देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका। यह आरंभ एक पाक्षिक समाचार पत्र के रूप में प्रकाशित हुआ था जो कालान्तर में पहाड़ का प्रमुख साप्ताहिक समाचार पत्र बना।
- 1950-भारत में 8.6 के तीव्रता वाले भूकम्प के कारण 20 से 30 हजार लोग मारे गये।
- 1971 - बहरीन ब्रिटेन के शासन से आजाद हुआ।
- 1972 - पोस्टल इंडेक्स नंबर अर्थात् पिन कोड लागू किया गया।
- 1979-फरीदाबाद - हरियाणा का 12 वां ज़िला बना।
- 1982 - राष्ट्रव्यापी रंगीन प्रसारण और टीवी के राष्ट्रीय कार्यक्रम का दिल्ली में उद्घाटन किया गया।
- 1990 - जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल आकाश का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया।
- 1907 - इंडियन बैंक - स्वदेशी आंदोलन के अंश के रूप में 15 अगस्त को इसकी स्थापना हुई।
- 1994 - सूडान के खार्तूम में आतंकवादी कार्लोस पकड़ा गया।
- 1998 - उत्तरी आयरलैंड में ओमाग द्वारा की गई बमबारी में 29 लोग मारे गये और 220 अन्य घायल हुए।

विषमता की खाइयां पाटना वक्त की जरूरत

■ विश्वनाथ सचदेव

'स्वराज में राहत तो होगी/ मज़दूर मगर भूखा होगा/ उसके बदले की रोटी/ दौलत वाला खाता होगा... आज़ादी चीज तो अच्छी है/ लेकिन है पैसे वालों की/ मजदूर को मजदूरी करनी/ गोरों के बजाय कालों की...।' यह पंक्तियां किसने लिखी हैं, यह तो नहीं पता, पर इतना अवश्य पता है कि आज़ादी की लड़ाई के दौरान कुछ लोग इस तरह के गीत भी गाया करते थे। मैंने अपने पिताजी से बचपन में ये पंक्तियां सुनी थीं और यह बात वे तब कहते थे जब देश में आर्थिक या सामाजिक विषमता का कोई मुद्दा उठता था। समानता और बंधुता के सारे दावों के बावजूद विषमता की खाइयों की गहराइयां कम नहीं हो रहीं। बड़े-बूढ़ों से यह बात हम अक्सर सुनते रहते हैं कि आज़ादी पा लेने के बावजूद देश में समानता का वह सपना कहीं पूरा होते नहीं दिखता जो हमारे स्वतंत्रता सेनानी देखा करते थे। यह एक सच्चाई अपने आप में बहुत कुछ कह देती है कि आज देश की आबादी के दस प्रतिशत ऊपरी हिस्से के पास देश की राष्ट्रीय संपत्ति का 77 प्रतिशत हिस्सा है!

आज जबकि हम अपनी आज़ादी के 78वें साल में दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने की ओर तेज़ी से बढ़ने के दावे कर रहे हैं, करोड़ों को गरीबी रेखा से उबारने की दुहाई दे रहे हैं, दुनिया की सबसे तेज़ी से सुधरती अर्थव्यवस्था होने का दम भर रहे हैं, स्वयं को विश्वगुरु मान रहे हैं तो यह सवाल उठना ही चाहिए कि देश की 80 प्रतिशत आबादी को सरकार द्वारा दिये जाने वाले प्रतिमाह 5 किलो अनाज पर जीवन-यापन क्यों करना पड़ रहा है? सरकारी मदद को भीख कहना अच्छा नहीं लगता है, पर हकीकत है- इससे भी तो इन्कार नहीं किया जा सकता।बरसों पहले भारत की संसद में उठा तीन आने और तेरह आने वाला सवाल एक तरह से आज भी मुंह बाये हमारे सामने खड़ा है। देश की आर्थिक स्थिति पर बोलते हुए समाजवादी विचारक और नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को चुनौती दी थी कि वे इस स्थापना को गलत साबित करके बतायें कि देश के 27 करोड़ लोग तीन आने से भी कम पैसे में अपना जीवन-यापन करने के लिए विवश हैं। तब रुपये में सोलह आने हुआ करते थे और देश की आबादी भी 50-55 करोड़ थी। अपने उस भाषण में डॉ. लोहिया ने देश की संसद में कहा था, 'देश के प्रधानमंत्री पर प्रतिदिन पच्चीस हज़ार रुपये खर्च होते हैं! जबकि, देश का आम नागरिक प्रतिदिन तीन आने में अपना काम चलाने के लिए बाध्य है।' ज्ञातव्य है कि तब प्रधानमंत्री नेहरू ने डॉ. लोहिया की इस स्थापना को ग़लत तो कहा था, पर उन पर देशद्रोही होने का आरोप नहीं लगाया था।

आज़ादी की लड़ाई के दौरान स्वराज में मजदूर के भूखा सोने की बात कहने वाले की आलोचना तब भी होती थी, पर उन्हें देशद्रोही नहीं समझा जाता था। आज हम आज़ाद हैं, और आज़ादी का तकाज़ा है कि हम सतत? सावधान रहने की शर्त को पूरा करने वाले नागरिक सिद्ध हों। नागरिक की जागरूकता स्वतंत्र देश की सार्थकता की पहली शर्त है। आज जबकि हम आज़ादी की 78वीं सालगिरह मनाए जा रहे हैं, हममें से हर एक को अपने आप से यह पूछना होगा कि सतत? जागरूकता की इस कसौटी पर हम कितना सफल सिद्ध होते हैं? पूछना तो हमें अपने आप से यह भी है कि क्या वह पूरी आज़ादी हमने पा ली है जिसकी शपथ 95वें साल पहले हमने रावी नदी के तट पर ली थी? यह पूरी आज़ादी की शपथ देश ने कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में ली थी। इस पूरी आज़ादी का मतलब सिर्फ अपना शासन नहीं था। पूरी आज़ादी का मतलब था वह सोच जो हर नागरिक को खुली हवा में सांस लेते हुए राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक प्रगति का समान अवसर देती है।

स्वतंत्रता को किसी भी कीमत पर महंगी न समझने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, 'जब तक हम पूर्ण स्वतंत्र नहीं हैं, हम गुलाम ही हैं।' आज बापू के इन शब्दों को सही अर्थों में समझने की आवश्यकता है। पूरी आज़ादी का मतलब है समान अधिकारों और समान अवसरों के साथ जी पाना। क्या ऐसी स्थिति है हमारे देश में? आज़ादी की लड़ाई के दौरान जिस तरह राहत की बात कवि कर रहा था, क्या सचमुच हमने वह राहत पा ली है? हमारे पूर्वजों ने स्वतंत्र भारत में एक ऐसे मानव-समाज की कल्पना की थी जिसमें हर नागरिक को समान अधिकारों के साथ जीने का अधिकार भी मिलेगा और अवसर भी। उस स्वतंत्रता में कोई छोटा या बड़ा नहीं होगा। स्वतंत्र भारत में समानता का मतलब वह व्यवस्था होगी जिसमें झोपड़ी कुछ ऊंची होगी, महल कुछ नीचा। जाति और वर्ण के आधार पर किसी को नीचा या ऊंचा नहीं माना जायेगा। हमारे संविधान का आमुख हर नागरिक को न्याय पाने का पूरा अधिकार देता है। समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता की यह स्थितियां क्या हमने पा ली हैं?

एक सवाल और जो हमें अपने आप से पूछना चाहिए वह यह है कि क्या हम सचमुच स्वतंत्रता और स्वराज का मतलब समझते हैं? स्वतंत्रता बंधन से मुक्ति का नाम है और स्वराज का मतलब है निज-शासन की युक्ति। स्वतंत्रता कुछ बंधन लाती है अपने साथ। बंधन अर्थात संयम। बंधन अर्थात मर्यादाओं में जीने की युक्ति। यह तो सब जानते हैं कि स्वराज का मतलब सत्ता का अपने अथवा अपनों के हाथ में आना है, पर हम में से कितने लोग यह समझते हैं कि स्वराज का मतलब यह भी है कि हम सत्ता के अनुचित उपयोग के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी अपने भीतर जगायें? अन्याय के विरोध का भाव जगाना ही पर्याप्त नहीं है, अन्याय के विरोध की क्षमता भी स्वतंत्र देश के हर नागरिक में होनी चाहिए। एक स्वतंत्र समाज का दायित्व बनता है कि वह ऐसी स्थितियां बनाये कि हर नागरिक में अन्याय का विरोध करने की क्षमता जगे।

पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी को तिरंगा फहराकर हम अपनी आज़ादी का उत्सव तो मना सकते हैं, पर इस उत्सव की सार्थकता तभी होगी जब देश का हर नागरिक वह जीवन जी सके, जिसमें आज़ादी अपने पूरे के साथ को पुष्पित-पल्लवित होगी। सच्चा और पूरा स्वतंत्र समाज वही है जिसमें हर रंग के फूल अपनी गंध बिखेर रहे हों, जहां जाति के आधार पर आदमी और आदमी के बीच की दूरी नहीं होगी। रावी के तट पर हमने पूरी आज़ादी पाने की शपथ ली थी, उस आज़ाद भारत में ऊंच-नीच का कोई भेद नहीं होना था, धर्म की दीवार नहीं होनी थी, पूरी आज़ादी वाले उस समाज में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है, जहां धर्म बांटता नहीं, जोड़ता है, जहां पूजा-स्थल मनुष्यता के धर्म को परिभाषित करते हैं। पूरी आज़ादी वाला वह समाज अभी बनाना है हमें। आर्थिक असमानता और सामाजिक विषमता की दीवारों-खाइयों को ढहाने-पाटने की आवश्यकता को अनुभव करके ही हम अपना बेहतर भारत बना सकते हैं। सच कहूं तो तभी जयहिंद कहने का अधिकार मिलेगा हमें।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

हवा-पानी की आज़ादी के बिना आज़ादी अधूरी

■ जयसिंह रावत

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आज़ादी मतलब 'स्वस्थ हवा' पाना है। हमारे ÷आज़ादी÷ को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आज़ादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अस्तित्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आज़ादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आज़ादी मिली है? आज़ादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ़ झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती- इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज़ बनती जा रही है। 'हवा-पानी की आज़ादी' का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है।

जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेशन सिंधूर के बाद भारत ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है। जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है, जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बर्बादी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है।

दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार 'बहुत खराब' या 'खतरनाक' श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण, औद्योगिक धुआं, निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना-ये सब मिलकर हवा को ज़हरीला बना रहे हैं।

भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है-तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे-÷अब भी खरे हैं तालाब।÷ आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने 'अटल भूजल योजना', 'नल से जल' और 'नदी पुनर्जीवन' जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव-गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई, औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। हवा की शुद्धता के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाये, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण हो, हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को बढ़ाना अत्यंत जरूरी कदम हैं। आज़ादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, उसकी मूलभूत सुविधाएं हो और उसकी आवाज़ सिर्फ़ चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए।

आजादी के अमृतकाल में 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए हमें हवा एवं पानी की आजादी के लिये संकल्प लेना होगा। वायु-जल संसाधनों पर गहराते संकट को खत्म करने के लिए अपनी जीवन-शैली में परिवर्तन करना होगा। इसके लिए सभी लोगों को बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरूष, किसान, उद्यमियों सभी को पहल करनी है। पानी को बचाने एवं हवा की शुद्धि की आदत को व्यवहार में ढालना होगा। हवा में घूल रहा प्रदूषण भी खतरनाक होता जा रहा है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। खेती में प्रदूषकों की रोकथाम से जल संसाधनों के संकट और पारिस्थिकी तंत्र में बदलाव के संकट को कम किया जा सकता है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित करके समस्या को काफी हद तक सुलझाया जा सकता है। उपलब्ध जल संसाधनों तक उपभोग को सीमित करके, संसाधन पर दवाब कम किया जा सकता है।

आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन, डिजिटल पेमेंट, सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है-हमारी आज़ादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोज़गारी का नहीं, बल्कि शुद्ध हवा-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों से जुड़ी सोच, व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है। हमने अंग्रेज़ी शासन से मुक्ति पाई, लेकिन अगर हमारे बच्चे दूषित हवा में सांस लें और जहरीला पानी पिएं, तो यह कैसी आज़ादी है? आज़ादी का वास्तविक अर्थ तभी होगा जब हर नागरिक को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी मिले। 78वां स्वतंत्रता दिवस केवल झंडा फहराने और भाषण देने का नहीं, बल्कि जीवनदायिनी संसाधनों की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर है। अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल पर पानी बचाने की आदत डालें। प्लास्टिक का उपयोग कम करें। वर्षा जल संचयन करें। प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों का विरोध करें। वृक्षारोपण को जीवन का हिस्सा बनाएं। क्योंकि हवा और पानी की आज़ादी ही जीवन की सच्ची आज़ादी है।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वृक्षों की जब करोगे रक्षा
तभी बनेगा जीवन अच्छा
सौजन्य से:
वन विभाग गंजबासौदा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ
सौजन्य से.
महिला एवं बाल विकास विभाग गंजबासौदा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
गाओ गीत, करो गुणगान
देश के किसानों का हो सम्मान
सौजन्य से.
कृषि विभाग गंजबासौदा

नगर पालिका परिषद गंजबासौदा
स्वच्छता ही सेवा
हर घर तिरंगा
समस्त क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ
समस्त नगरवासियों से अपील
अपने कर समय पर चुकायें –
जिससे आपका विकसित होता शहर यूँ ही मुस्कुराये
श्रीमति शशि अनिल जी यादव
अध्यक्ष - न.पा. परिषद, गंजबासौदा
सौजन्य से - नगर पालिका परिषद, गंजबासौदा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य से:
पीएचई विभाग, गंजबासौदा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जय जवान,
जय किसान
सौजन्य से.
कृषि उपज मंडी समिति, गंजबासौदा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य से:
विकासखंड शिक्षा अधिकारीगंजबासौदा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
वरुणेन्द्र चौबे

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सै.शफाकत हुसैन कादरी
सह संयोजक
मुस्लिम राष्ट्रीय मंच
गंजबासौदा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अमित दुबे पट्टू
कांग्रेस नेता

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राकेश जैन विद्युत अध्यक्ष
अनिल दुबे सचिव
वंदे मातरम्
सौजन्य से.
रक्त सेवा समिति, गंजबासौदा
राजेश तिवारी
संस्थापक

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य से. वार्ड 19 पार्षद एवं
जनभागीदारी समिति अध्यक्ष
संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय गंजबासौदा
रितुज ऐलिया

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य से:
शासकीय राजीव गांधी
जनचिकित्सालय
गंजबासौदा जिला विदिशा
डॉ. प्रमेन्द्र तिवारी
चिकित्सा अधिकारी

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य से.
ग्राम पंचायत देहरखी, बासौदा
राजकरण अहिरवार
महामंत्री
भाजपा ग्रामीण मंडल
ललिता अहिरवार
सरपंच

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
पृथ्वी सिंह रघुवंशी
जिलाध्यक्ष
शिक्षक संघर्ष मोर्चा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य से.
ग्राम पंचायत पठरिया
लक्ष्मण सिंह दांगी
सरपंच
दिलीप शर्मा
सचिव

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य से. विकास शर्मा
प्रदेश महासचिव, कांग्रेस पार्टी

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
डॉ. विमलचंद्र ओसवाल
वरिष्ठ समाजसेवी
सौजन्य से:
राजीव, संजय, यश ओसवाल एवं
समस्त ओसवाल परिवार, गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
राजेश माहेश्वरी
वरिष्ठ कांग्रेस नेता

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य से
करणी सेना परिवार गंजबासौदा
धर्मेन्द्र राजपूत
अध्यक्ष
सुदर्शन राजपूत
उपाध्यक्ष

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
राहुल ठाकुर
पार्षद, वार्ड क्रमांक 5
गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पृथ्वी सिंह रघुवंशी
कांग्रेस नेता

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य से.
आबकारी ठेकेदार गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य से:
सेण्टएसआरएस पब्लिक हासे स्कूल गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
निवेदक-
पुष्पेन्द्र तिवारी, पटवारी
गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय,
एवं समस्त स्टाफ
गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रबल कंसल
संचालक
सौजन्य से
इंडेन गैस एजेंसी
गंजबासौदा

सभी ग्राम वासियों को ग्राम पंचायत
महुआटाना की और से स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
रामकृष्ण भार्गव
सरपंच
संतोष रघुवंशी
सचिव
सौजन्य से ग्राम पंचायत महुआ टाना सिवनी मालवा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती प्रिया
राजपूत, सरपंच
अनुज तिवारी
सरपंच
उमेश सिंह राजपूत
सरपंच प्रतिनिधि
सौजन्य से ग्राम पंचायत झाड़ बीड़ा सिवनी मालवा

सभी क्षेत्रवासियों को ग्राम पंचायत
पीपलठोन की ओर से स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
उमेश अंकिले
सरपंच
श्रीमती विद्या बाई
उपसरपंच
सौजन्य से ग्राम पंचायत पंचायत पीपलठोन सिवनी मालवा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती दुर्गा बाई
शिवशंकर परते
सचिव
त्रिलोक गौर
उप सरपंच
धमेन्द्र सिंह
राजपूत
प्रदीप गौर
सहायक सचिव
सौजन्य से ग्राम पंचायत सोमलवाड़ा सिवनी मालवा

शासकीय सीनियर जनजाति
बालक छात्रावास मालापाठ
की ओर से स्वतंत्रता दिवस की सभी
क्षेत्रवासियों को हार्दिक-हार्दिक
शुभकामनाएं और बधाई
श्रीमती मनीषा उइके
अधीक्षिका

समस्त ग्राम वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक
शुभकामनाएं
श्रीमती सुदामाबाई
इरपाचे, सरपंच
विजय यादव
सचिव
अनिल उइके
सहायक सचिव
सौजन्य से ग्राम पंचायत सोता चिकली सिवनी मालवा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती शोभा बाई
वारस्कर, सरपंच
परसराम
वारसकर
रामकृष्ण
लोवंशी, सचिव
राहुल राजपूत
सहायक सचिव
सौजन्य से ग्राम पंचायत टेकना सिवनी मालवा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
रेखा अहके
सरपंच
दीपिका व्यास
उप सरपंच
राम विलास
मांडवी, सचिव
राजेश गौर
सहायक सचिव
सौजन्य से ग्राम पंचायत तीलीआवली सिवनी मालवा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
अशोक परते
सरपंच
अशोक दुनगे
समाज सेवी
राधे मोहन राठोर
सचिव
सौजन्य से ग्राम पंचायत समरधा सिवनी मालवा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
शिखा रवि गुप्ता
सरपंच
रवि गुप्ता समाज
सेवी
चन्द्रशेखर
नागोरिया, सचिव
पवन कुमार
सहायक सचिव
सौजन्य से ग्राम पंचायत लोखरतलाई सिवनी मालवा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती सरिता
बामने, सरपंच
रितेश बामने
दुलीचंद सरयाम
सचिव
संध्या भूसरे
सहायक सचिव
सौजन्य से ग्राम पंचायत केवलाझीर सिवनी मालवा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती लता देवड़ा,
सरपंच
रामचन्द्र देवड़ा
मदन सिंह तंवर
सचिव
गंभीर सिंह पटेल
सहायक सचिव
सौजन्य से ग्राम पंचायत सांटई सिवनी मालवा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
माले सिंह
सरपंच
संजय दुबे
सचिव
सौजन्य से ग्राम पंचायत बारासेल सिवनी मालवा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
मालती बाई
सरपंच
ग्राम पंचायत
पीपल गोटा
संजय दुबे
सचिव
विनीत समस्त पंच ग्राम पंचायत पीपल गोटा सिवनी मालवा

सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती जयंती
कटारे सरपंच
राजेश पाल
सचिव
मनीष साहू
रोजगार सहायक
सौजन्य से ग्राम पंचायत बासनिया कला सिवनी मालवा

पाकिस्तानी क्रिकेटर का दावा, ऐसे हैं दोनों के आंकड़े

विराट कोहली से तुलना ने बाबर आजम के करियर को उतार दिया पटरी से

नई दिल्ली , एजेंसी

पाकिस्तानी क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज दौरे पर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। आखिरी वनडे में तो पाकिस्तान को 202 रनों से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। वेस्टइंडीज ने 34 साल बाद पाकिस्तानी टीम के खिलाफ वनडे सीरीज जीती। ऐसे में ये जीत मेजाबन टीम के लिए काफी यादगार रही।

पाकिस्तान की हार के बाद पूर्व कप्तान बाबर आजम एक बार फिर आलोचकों के निशाने पर आ चुके हैं। बाबर ने इस वनडे सीरीज में 3 पारियों में 18.67 की खराब औसत से 56 रन बनाए। पाकिस्तान की लुटिया डुबोने में बाबर के इस खराब प्रदर्शन की अहम भूमिका रही। देखा जाए तो बाबर आजम इंटरनेशनल क्रिकेट में काफी समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं।

बाबर आजम ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना आखिरी शतक 30 अगस्त 2023 को एशिया कप में नेपाल के खिलाफ लगाया था। तब उन्होंने 151 रनों की शानदार पारी खेली थी। उस शतक के बाद से बाबर आजम ने इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 72 पारियों में 31।45 की औसत से 2139 रन बनाए हैं, जिसमें 18 अर्धशतक शामिल रहे।

इस साल कैसा रहा है बाबर आजम का प्रदर्शन

इस साल इंटरनेशनल क्रिकेट में बाबर आजम का प्रदर्शन देखें तो उन्होंने 17 पारियों में 30।47 की औसत से केवल 518 रन बनाए हैं, जिसमें पांच अर्धशतक शामिल रहे। इस साल इंटरनेशनल क्रिकेट में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन सलमान अली आगा (857 रन) ने बनाए हैं। व्हाइट बॉल क्रिकेट में बाबर आजम का स्ट्राइक रेट भी सवालों के घेरे में है। 2024 से देखा जाए तो फुल मेम्बर्स देशों में सिर्फ बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान का ही स्ट्राइक रेट 80 से कम है। पिछले एक दशक से बाबर आजम की तुलना कुछ पाकिस्तानी फैन्स और क्रिकेट विशेषज्ञ टीम इंडिया के दिग्गज विराट कोहली से करते रहे हैं। बाबर के क्लासिक कवर ड्राइव और बेहतरीन पारियों के बाद ये तुलना तो और जोर पकड़ने लगती थी। लेकिन अब यही तुलना बाबर आजम के लिए दबाव का कारण बन गई है।

शहजाद ने बाबर आजम पर दिया ये बयान

पाकिस्तान के पूर्व सलामी बल्लेबाज अहमद शहजाद का मानना है कि विराट कोहली से लगातार तुलना बाबर आजम के फॉर्म में गिरावट की वजह है। शहजाद ने जियो सुपर से कहा, जब सब कुछ सही चल रहा था, तब आप खिलाड़ियों की तुलना कर रहे थे। अब वो अच्छा नहीं कर रहे हैं तो आप कहते हैं कि दो खिलाड़ियों की तुलना मत किया जाए। अहमद शहजाद कहते हैं, विराट कोहली की तुलना दुनिया में किसी से नहीं की जा सकती। वह मौजूदा पीढ़ी के दिग्गज हैं, वो एक आइडल हैं। आप एमएस धोनी से भी कोहली की तुलना नहीं कर सकते। धोनी भले एक महान कप्तान रहे हों, लेकिन एक बल्लेबाज, क्रिकेटर और एथलीट के तौर पर कोहली सबसे आगे हैं। खिलाड़ियों की तुलना करना अनुचित है। इससे अतिरिक्त दबाव बढ़ता है, जो अब हम बाबर आजम पर देख रहे हैं।

विराट कोहली और बाबर आजम का कैसा है रिकॉर्ड

विराट कोहली से बाबर आजम की तुलना करना बिल्कुल भी सही नहीं होगा। कोहली ने अब तक तीनों फॉर्मेट को मिलाकर भारत के लिए 550 मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने 52।27 की औसत से 27599 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 82 शतक और 143 अर्धशतक निकले। वहीं बाबर आज ने पाकिस्तानी टीम के लिए 321 मैचों में 45।94 की औसत से 14749 रन बनाए।

जूनियर मेंस नेशनल चैंपियनशिप

चंडीगढ़-उत्तराखंड की जीत, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के बीच मैच ड्रॉ

जालंधर , एजेंसी

15वीं हॉकी इंडिया जूनियर मेंस नेशनल चैंपियनशिप के तीसरे दिन हॉकी चंडीगढ़ और हॉकी उत्तराखंड ने डिवीजन बी के अपने-अपने मुकाबले जीते। वहीं, हॉकी हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के बीच मैच ड्रॉ रहा। शुरुआत हॉकी हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के बीच डिवीजन बी के मुकाबले से हुई। यह मैच 5-5 से ड्रॉ रहा। इसी के साथ टीमों ने एक-एक अंक साझा किया। जम्मू-कश्मीर के कप्तान राजवीर सिंह शानदार फॉर्म में नजर आए, जिन्होंने मुकाबले के पहले मिनट, 19वें मिनट और 34वें मिनट गोल की हैट्रिक बनाई। जम्मू-कश्मीर की टीम के अन्य दो गोल रोहनप्रीत सिंह (51वें मिनट) और गमनप्रीत सिंह (56वें मिनट) ने दागे। हॉकी हिमाचल के लिए गौरव कुमार ने 43वें मिनट और 53वें मिनट दो गोल किए, जबकि अनुज (15वें मिनट), प्रांशु चौधरी (18वें मिनट) और सुखमनप्रीत सिंह (27वें मिनट) ने भी एक-एक गोल टीम के खाते में जोड़े।

विशाल ने दूसरे मिनट में ही दाग दिया गोल

हॉकी उत्तराखंड के लिए विशाल कुमार (दूसरे मिनट), नवीन प्रसाद (14वें मिनट) ने एक-एक गोल किया, जबकि महेंद्र सिंह बिष्ट (33वें मिनट और 37वें मिनट), रोहित ऐरी (32वें मिनट और 45वें मिनट) और सूरज कुमार (55वें मिनट और 60वें मिनट) ने दो-दो गोल किए। असम हॉकी के लिए रोहन एक्का ने 29वें मिनट एकमात्र गोल दागा।

महिला वनडे वर्ल्ड कप से पहले 10 दिवसीय कैंप पूरा, हेड कोच की मौजूदगी में हुए प्रैक्टिस मैच

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय टीम ने महिला वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी को लेकर 10 दिवसीय कैंप पूरा कर लिया है। क्रिकेट का महाकुंभ 30 सितंबर से 2 नवंबर के बीच खेला जाना है। इस शिविर में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग ड्रिल्स के साथ मैच सिमुलेशन और स्किल्स को निखारने पर फोकस किया गया। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने भी ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लिया। हेड कोच अमोल मजूमदार की देखरेख में कई प्रैक्टिस मैच खेले। 2025 महिला वनडे विश्व कप की तैयारी के तहत, भारत 14 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज की मेजबानी करेगा। पहले यह सीरीज चेन्नई में खेली जानी थी, लेकिन एमए चिदंबरम स्टेडियम के आउटफील्ड और पिचों के नवीनीकरण के चलते इन मुकाबलों को दूसरे वेन्यू पर शिफ्ट करना पड़ा। शुरुआती दो वनडे 14 और 17 सितंबर को न्यू चंडीगढ़ के नए पीसीए स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद सीरीज का अंतिम मैच 20 सितंबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित होगा।

ऐसा पहली बार होगा जब न्यू चंडीगढ़ महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबलों की मेजबानी करेगा। वहीं, नई दिल्ली में साल 1985 और 1995 में महिला वनडे क्रिकेट मैच खेले गए थे। महिला वनडे विश्व कप

भारत का व्यापारिक निर्यात जुलाई में 7.29% बढ़कर 37.24 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली। इस साल जुलाई में भारत का व्यापारिक निर्यात 7.29 प्रतिशत बढ़कर 37.24 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 34.71 अरब डॉलर था। यह जानकारी सरकार की ओर से गुरुवार को दी गई। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा, अनिश्चित वैश्विक नीतिगत माहौल के बावजूद, जुलाई और वित्त वर्ष 26 में अब तक भारत के सेवा और व्यापारिक निर्यात में मजबूत वृद्धि हुई है, और यह वैश्विक निर्यात वृद्धि से कहीं अधिक है। उन्होंने बताया, जुलाई में व्यापारिक निर्यात के प्रमुख घटक इंजीनियरिंग गुड्स, इलेक्ट्रॉनिक गुड्स, दवाएं और फार्मा, जैविक और अजैविक रसायन, रत्न और आभूषण थे। व्यापारिक निर्यात में यह वृद्धि अगस्त के अंत में लागू होने वाले उच्च अमेरिकी टैरिफ से पहले शिपमेंट में वृद्धि के कारण भी है। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में आयात भी सालाना आधार पर 8.6 प्रतिशत बढ़कर 64.59 अरब डॉलर हो गया। इस महीने देश का व्यापार घाटा 27.35 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-जुलाई के दौरान, कुल निर्यात अब 3.07 प्रतिशत बढ़कर 149.2 अरब डॉलर हो गया है, जबकि आयात इस अवधि में 5.36 प्रतिशत बढ़कर 244.01 अरब डॉलर हो गया है। बर्थवाल ने आगे कहा कि अमेरिका द्वारा घोषित टैरिफ में भारी वृद्धि के बाद, सरकार अन्य देशों को देश के निर्यात में विविधता लाने के प्रयास कर रही है। सरकार मुक्त व्यापार समझौतों को तेजी से आगे बढ़ाने और यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, ईएफटीए, ओमान, आसियान, न्यूजीलैंड, पेरू और चिली जैसे मौजूदा समझौतों की समीक्षा करने का प्रयास कर रही है।

स्वतंत्रता दिवस : कलेक्टर ने किया ध्वजारोहण, सरकारी दफ्तरों-स्कूलों में कार्यक्रम

राजधानी में सैकड़ों स्थानों पर लहराया तिरंगा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी में आज आजादी के पर्व की धूम है। लोग स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ के जश्न में सराबोर हैं। लाल परेड मैदान में मुख्य आयोजन के अलावा सैंकडों स्थानों पर आयोजन किये गये हैं। कल जन्माष्टमी के चलते पुराने शहर के बाजार आज खुले हुए हैं। हालांकि स्वतंत्रता दिवस के अवकाश के थोड़ा असर अन्य बाजारों पर जरूर है। आज सुबह से सड़कों पर खासी चहलपहल रही। इधर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर सामूहिक रूप से राष्ट्रगान हुआ। कलेक्टर सिंह ने सभी उपस्थितों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। ध्वजारोहण के उपरांत कलेक्टर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें एकजुट होकर देश की प्रगति और विकास में योगदान देने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों से अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, स्कूली बच्चे और आम नागरिक उपस्थित रहे। कई विभागीय मुख्यालयों पर भी ध्वजारोहण हुआ। महापौर मालती राय ने आईएसबीटी स्थित निगम ऑफिस परिसर में ध्वजारोहण किया। वहीं, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने माता मंदिर स्थित ऑफिस परिसर में तिरंगा फहराया। इससे पहले फायर ब्रिगेड कर्मियों की परेड का निरीक्षण होगा। साथ ही निगमकर्मियों की कक्षा 10वीं एवं 12वीं के होनहार बच्चों को प्रोत्साहन राशि भी दी गई। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारी-कर्मचारी भी आजादी का जश्न मनाएंगे। इन्होंने सुभाष नगर स्थित डिपो पर झंडावंदन करेंगे किया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं संगठन महामंत्री हितानंद ने पार्टी कार्यालय में ध्वजारोहण कर एक दूसरे को मिठाई खिलाई।

तहसीलदारों पर सरकार सख्त निलंबन की कार्रवाई के आसार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

लंबे समय से हडताली तेवर दिखा रहे तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों पर सरकार अब सख्त हो रही है। राजस्व विभाग ने कैबिनेट के फैसले का विरोध कर ड्यूटी से अनुपस्थित तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश सभी संभागायुक्तों को जारी किए हैं। इसके तहत संभागायुक्त कलेक्टरों से जानकारी लेकर ड्यूटी से गायब अधिकारियों के विरुद्ध निलंबन और अन्य अनुशासनात्मक कार्रवाई करेंगे।

राजस्व विभाग ने कहा है कि तीन जून के कैबिनेट फैसले के अनुसार राजस्व अधिकारियों के बीच न्यायिक और गैर-न्यायिक कार्यों का विभाजन किया गया था। इसके विरोध में कई तहसीलदार और नायब तहसीलदार अपने कर्तव्य स्थल से अनुपस्थित हैं। विभाग ने इसे शासन की नीतियों के खिलाफ और अनुशासनहीनता की श्रेणी में बताया। संभागायुक्तों को याद दिलाया गया कि मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के अनुसार हड़ताल, धरना या सामूहिक अवकाश जैसी गतिविधियां कदाचार मानी जाती हैं।

आज तेवर नरम

न्यायिक और गैर न्यायिक विभाजन से नाराज तहसीलदार और नायब तहसीलदार 6 अगस्त से काम नहीं कर रहे हैं। इससे अकेले भोपाल में ही 3 हजार केस पेंडिंग हो गए हैं।लेकिन राजस्व अधिकारी आज स्वतंत्रता दिवस पर विरोध नहीं जताएंगे। मप्र राजस्व अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा) संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि हर भारतीय के लिए राष्ट्र और राष्ट्र के प्रति निष्ठा सर्वोपरी है। इसलिए 15 अगस्त को सभी संवर्गीय साथी स्वतंत्रता दिवस के आयोजन से संबंधित सौंपे गए सभी कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा और पूरे जोश के साथ करेंगे, लेकिन बाकी कामों से दूरी बनाए रखेंगे।

बच्चों को लेकर दंपति में विवाद, पत्नी ने लगाई फांसी

बहन के घर जाने लगी पत्नी, मनाकर लाया पति

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित दशमेश नगर में चार बेटियों की मां ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार सुबह बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवार हुआ था। विवाद के बाद पत्नी पुष्पा नगर में रहने वाली अपनी बहन के घर जाने के लिए निकल गई। पति उसे रास्ते से मनाकर ले आया और काम पर चला गया। कुछ देर बार पड़ोसियों ने उसे पत्नी के बारे में सूचना दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक दशमेश नगर निवासी शाहबाज खान ऑटो चलाता है। परिवार में पत्नी हिना खान (30) और चार बेटियां हैं। गुरुवार सुबह बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। दरअसल बच्चों का कोई सामान नहीं मिल रहा था। पति ने हिना से कहा कि सामान एक जगह रखा करो। विवाद बढ? पर हिना नाराज होकर पुष्पा नगर में रहने वाली अपनी बड़ी बहन के घर जाने के लिए निकल गई। शाहबाज पीछे-पीछे गया और पत्नी को मनाकर ले आया। पत्नी को खर्चे के पैसे देने के बाद शाहबाज अपने काम पर निकल गया। करीब आधा घंटे बाद पड़ोसी ने फोन कर उसे सूचना दी कि हिना ने फांसी लगा ली। शाहबाज फौरन घर पहुंचा और पत्नी को फंदे से उतारकर अस्पताल ले गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी।

ऑटो ड्राइवर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। छोला मंदिर के ईरानी डेरा इलाके में बैटरी ऑटो ड्रायवर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके कुछ घंटे पहले ही पत्नी अपने तीन बच्चों के साथ मायके रायसेन गई थी। हालांकि पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है लेकिन शुरूआती जांच में पता चला है कि मृतक पर लोन चढ़ा था और वो किश्त अदा नहीं कर पा रहा था। वह तनाव में रहने लगा था। पुलिस के मुताबिक जैन मंदिर के सामने ईरानी डेरा निवासी भारत प्रजापति (35) बैट्री ऑटो चलाता था। परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। बुधवार सुबह करीब सात बजे पत्नी अपने तीन बच्चों को लेकर रायसेन जिला स्थित मायके चली गई थी। घर में भारत अकेला था। सुबह करीब 11 बजे तक उसे देखा गया था।

एमडी ड्रग्स: यासीन मछली के चाचा के खिलाफ अड़ीबाजी की शिकायत

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

एमडी तस्कर यासीन मछली पर लगातार शिकायत मिलने के बाद उसके चाचा के खिलाफ भी एक अन्य शिकायती आवेदन अशोका गार्डन पुलिस को रेलवे के एक्स सर्विस मैन ने दिया है। एक्स सर्विस मैन उसका आरोप है कि सारिक मछली ने फार्म हाउस में उन्हें 16 घंटे तक बंधक बनाकर रखा था और छोड़ने के एवज में पचास हजार रुपए वसूल लिए।

आरोप है कि पंद्रह दिन बीत जाने के बाद भी अशोका गार्डन पुलिस ने सारिक मछली पर शिकायत दर्ज नहीं की है। इस संबंध में थाना प्रभारी अनुराग लाल से संपर्क किया गया तो उन्होंने बार बार कॉल करने पर भी कॉल रिसीव नहीं किया। रेलकर्मी राजेश तिवारी ने जो शिकायती आवेदन अशोका गार्डन पुलिस को दिया है उस आवेदन में बताया कि शारिक मछली ने उसे अगवा कर हथाईखेड़ा स्थित अपने फार्महाउस में 16 घंटे बंधक बनाकर रखा था। उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। छोड़ने के एवज में पचास हजार रुपए यूपीआई के माध्यम से टंःासफर भी कराए। रेलकर्मी राजेश तिवारी का आरोप है कि जांच का हवाला देने वाली अशोका गार्डन पुलिस ने 15 दिन से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी शारिक पर एफआईआर दर्ज न करने का आरोप पुलिस पर लगाया गया है। राजेश तिवारी का कहना है कि शारिक मछली ने अपने रसूख के चलते उन पर दो फर्जी प्रकरण भी दर्ज कराए थे। दो प्रकरण दर्ज होने के कारण उनकी नौकरी छूट गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022